VASTU TIPS
IN HINDI
FOR ATTRACT MONEY

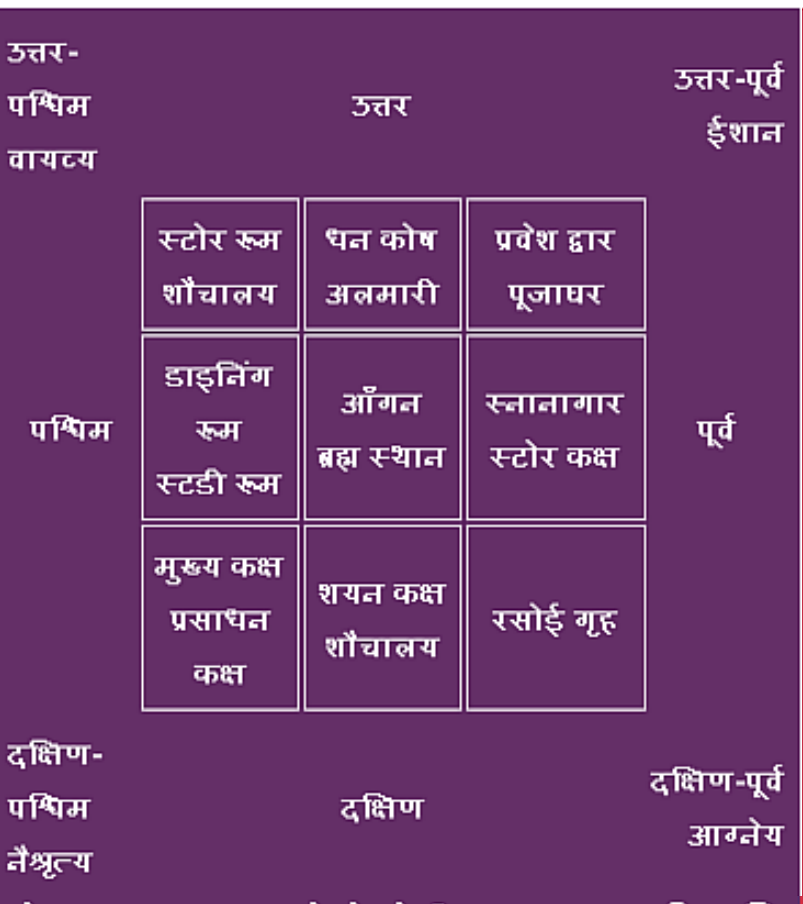

उत्तर-पश्चिम वायव्य		उत्तर		उत्तर-पूर्व ईशान
	स्टोर रूम शौचालय	धन कोष अलमारी	प्रवेश द्वार पूजाघर	
पश्चिम	डाइनिंग रूम स्टडी रूम	आँगन ब्रह्म स्थान	स्नानागार स्टोर कक्ष	पूर्व
	मुख्य कक्ष प्रसाधन कक्ष	शयन कक्ष शौचालय	रसोई गृह	
दक्षिण-पश्चिम नैश्रृत्य		दक्षिण		दक्षिण-पूर्व आग्नेय

ये वास्तु उपाय करने से होगी धन सम्पदा की प्राप्ति

1. घर में तुलसी का पौधा और दाड़िम का पेड़ होना ही चाइये, ये दोनों धन को बहुत शुभकारी होते है

2. अमावस्या को घर का फालतू सामान बाहर निकाल दें, इस से घर में सुख शांति रहती है

3. घर के उत्तर दिशा में रखा गया मछली कुंड, सुख और सम्पति को आमंत्रित करता है

4. घर की मालकिन सुबह द्वारा मुख्य द्वार की देहरी पर एक लोटा जल नित्य डालने से माँ लक्ष्मी का आगमन होता है

5. एक नियम का पालन करें, प्रतिदिन घर के मंदिर में दीपक जलाये, घर की प्रथम रोटी गाय को एवं अंतिम रोटी कुत्ते को देवें, इन बेजुबान जानवरों को रोटी देने पर भाग्य के दरवाजे खुल जाते है

6. पीपल को विष्णु का अवतार कहा जाता है, प्रतिदिन पीपल को जल चढ़ाने से लक्ष्मी की प्रसन्नता प्राप्त होती है

7. ईशान में जल संचय की व्यवस्था जैसे बोरिंग, कुआं, टैंक धन को बढ़ाने में बहुत सहायक होती है, जल पंच तत्वों में एक महत्वपूर्ण तत्व है, जल तत्व का वास्तु में सही नियोजन धन सम्पदा बढ़ाने वाला माना गया है

8. दक्षिण दिशा में उत्तरमुखी अलमारी, या नैश्रृत्य में उत्तरमुखी या पूर्वामुखी, या उत्तर दिशा में पूर्वाभिमुख तिजोरी रखने से धन सम्पदा उत्तरोत्तर बढ़ती रहती है

9. घर में तांबे का कलश, हाथी की मूर्ति या चित्र, शहद, दर्पण, मोर के जोड़े की मूर्ति या चित्र, घी रखना चाइये, मार्कंडय पुराण के अनुसार ये वस्तुएं माँ लक्ष्मी को आमंत्रित करती है

10. अगर जल निकासी की व्यवस्था ईशान कोण की तरफ हो तो धन के लिए बहुत लाभकारी रहती है

11. आग्नेय कोण में रसोई, ईशान में पूजा घर और नैश्रृत्य कोण में मास्टर बेड रूम बहुत ही शुभकारी होता है, सुख सम्पदा और धन की उत्तरोत्तर प्रगति होती है

12. जब पूर्व में स्नानागार हो और वायव्य में या दक्षिण दिशा में शौचालय हो तो धन प्राप्ति में बाधक नहीं बनता है

13. शाम के समय कोई मेहमान या सुहागिन स्त्री आती है तो उसका सम्मान कर के जल पान करायें, ये माँ लक्ष्मी के आने का संकेत है

14. ईशान कोण में स्थित कमरे का दरवाजा पूर्वाभिमुख या उत्तराभिमुख रखने से धन की कमी नहीं रहती है

15. घर के मध्य कोण को खाली होना चाइये, ये ब्रह्मा का स्थान है, जब मध्य स्थान खाली होता है तो घर में सुख सम्पदा का वर्चस्व रहता है

उत्तर-पश्चिम वायव्य		उत्तर		उत्तर-पूर्व ईशान
	पवन वायु के देवता	कुबेर धन के देवता	ईश्वर	
पश्चिम	वरुण वर्षा के देवता	ब्रह्मदेव	सूर्य प्रकाश के देव	पूर्व
	पितृ	यम मृत्यु देवता	अग्नि देव	
दक्षिण-पश्चिम नैश्रृत्य		दक्षिण		दक्षिण-पूर्व आग्नेय

इन वास्तु दोषों से होता हैं धन सम्पदा का नाश

1. तुलसी माता जगदम्बा का रूप हैं, जब भी तुलसी सूख जाये, सावधान रहें, ये आपदा और धन के नाश का प्रतीक हैं

2. अमावस्या को कोई नई वस्तु या कपड़े खरीदने से बचना चाइये

3. ध्यान रहे, मछली कुंड का जल बदलते रहें, मृत जीवों को मछली कुंड में न रखे

4. बिना देहरी के मुख्य द्वार नकारात्मकता को रोक नही पाता, देहरी आम की लकड़ी की सर्वोत्तम कही गई है

5. यदि गृह के आग्नेय कोण में जल संचय की व्यवस्था गलती से हो गई हो तो उस दोष को कम करने के लिए उस स्थान के ऊपर एक लाल बल्ब २४ घंटे जला रहने दें, इस दोष के कारण खर्चे बहुत बढ़ जाते है

6. अगर घर में पीपल हो तो कभी भी उसे नहीं कटवाये, इससे माता लक्ष्मी और विष्णु की अप्रसन्ता प्राप्त होती है

7. अगर किसी भूखण्ड में ईशान कोण कट जाता है तो हरगिज़ न खरीदे, ऐसे घर में रहने वाले दरिद्रता भोगते है, उसी प्रकार अगर ईशान में स्थित शौचालय भी गरीबी और रोग को आमंत्रित करता है

8. घर के अग्नि कोण या पूर्व दिशा में, या ईशान कोण, या उत्तर और वायव्य कोण के बीच में अलमारी या तिजोरी रखने से खर्चे बढ़ते है और धन कम होता जाता है

9. कभी भी घर में दो बार झाड़ू पोंछा नहीं करें, एक बार के झाड़ू पोंछा से नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होती है तो दूसरी बार करने से सकारात्मक ऊर्जा समाप्त हो जाती है और देवी देवताओं का पलायन हो जाता है

10. पश्चिम या नैश्रृत्य की और जल निकासी या नाला हो तो सुख और धन का नाश करता है

11. मुख्य द्वार या वास्तु के सामने खंभा, दिवार, पेड़ या सीढ़िया होने से वास्तु वेध होता है, ये सकारात्मक ऊर्जा को रोकता है और धन और प्रगति में बाधक बनता है

12. पूर्व, वायव्य, दक्षिण दिशा को छोड़कर अन्य दिशाओं या कोण में शौचालय प्रगति में बाधक बन जाता है

13. अपनी माता या पत्नी से वाद विवाद या झगड़ा करने से, विशेषकर शुक्रवार को या सोमवार को, धन सम्बन्धी रुकावटें आती है

14. ईशान कोण में स्थित कमरे का दरवाजा दक्षिणमुखी रखने से धन की कमी रहती है

15. घर के बीच में निर्माण या सीढ़ियाँ, घर में रहने वाले लोगों की भौतिक और आध्यात्मिक प्रगति में बाधक बन जाती है

An Infographic From AstrologyFutureEye.Com

VASTU TIPS

IN HINDI

FOR LUCK, LOVE & HEALTH

ये हैं सुख शांति और भाग्य प्राप्ति के वास्तु उपाय

16. नैश्रृत्य कोण में अगर सीढ़ियां होती हैं जो ऊपर की तरफ जाती हो तो भाग्य उदय में सहायक होती हैं

17. नैश्रृत्य कोण या दक्षिण दिशा में ज्यादा या भारी निर्माण कार्य करना चाइये, ये घर में सुख, शांति और आरोग्य लाता हैं

18. ईशान कोण या पूर्व दिशा में उत्तरभिमुखी या पूर्वाभिमुखी भगवान का मंदिर वास्तु और उसमे रहने वाले जातकों को ईश्वर के आशीर्वाद से अनुग्रहित करता हैं और सुख और शांति लाता हैं

19. वास्तु स्वामी की राशि के अनुसार मुख्य द्वार की स्थति रखनी चाइये, चूँकि स्थान का स्वामित्व बदल सकता हैं, अतः घर का मुख्य द्वार पूर्व मुखी या उत्तर मुखी ही रखा जाये -: पूर्वाभिमुख द्वार - मेष, सिंह, धनु; पश्चिमाभिमुख द्वार - मिथुन, तुला, कुंभ; उत्तराभिमुख द्वार - कर्क, वृश्चिक, मीन; दक्षिणाभिमुख द्वार - वर्षभ, कन्या, मकर

20. घर के दरवाजे और खिड़कियाँ सम रखने से भाग्य उदय में सहायक होती हैं

21. मुख्य दरवाजे के ऊपर, अंदर और बाहर गणेशजी की तस्वीर लगाने से नकारात्मक ऊर्जा से बचाव होता हैं और ऋद्धि सिद्धि से वास्तु लाभान्वित रहता हैं

स्वास्थ्य और रोग मुक्ति हेतु वास्तु उपाय

22. दक्षिण दिशा में ऊँची दिवार रोगों का नाश करती हैं और सुख कारी होती हैं, क्योंकि दक्षिण दिशा की अशुभकारी वायु ऊँची दिवार रोक देती हैं

23. ईशान कोण में जल संचय जैसे कुआं या टैंक करने से स्वास्थय लाभ बना रहता हैं

24. यदि घर का बरंडा या गैलरी उत्तर की ओर स्लोब लिए या ढला होगा तो उस गृह के पुरुषों का अनेक बीमारियों से बचाव होगा

25. दक्षिण में मस्तक रख कर सोने से धरती का उत्तरी ध्रुव और मनुष्य का सिर (दक्षिण ध्रुव) आपस में चुंबकीय आकर्षण से शरीर निरोगी रहता हैं

26. ईशान कोण या उत्तर दिशा में मुख्य द्वार की स्थति उन्नति कारक और आरोग्यकारक होती हैं, पूर्व का द्वार भी अति शुभ माना गया हैं, क्योंकि यहाँ से आने वाला प्रकाश और वायु स्वास्थय के लिए भी शुभ माना जाता हैं

27. स्नानागार में एक डब्बे में जिसको ढक्कन न लगा हो, उसमे सफ़ेद नमक रखने से घर में बीमारियों का प्रकोप कम रहता हैं

28. तुलसी को पश्चिम दिशा में लगाये जो की स्त्री जाती के लिए आरोग्यदायक हैं

29. उत्तर दिशा में तहखाना बनाने से स्त्रियाँ सुखी और संपन्न रहती हैं

30. घर में छोटा सा कोना कच्चा, मिट्टी युक्त रखने से शुक्र ग्रह का अच्छा प्रभाव रहता है जो स्त्रियों के स्वास्थय एवं लक्ष्मी प्राप्ति हेतु अच्छा प्रभाव करता है

ये वास्तु टिप्स करेंगे वैवाहिक जीवन को सुखी

31. घर में नमक मिले पानी से पोंछा करने से घर की नकारात्मक ऊर्जा समाप्त हो जाती हैं, और घर में होने वाले झगड़े कम होते हैं

32. पलंग के जिस बिस्तर पर आप सोते हैं उसको एकल यानि सिंगल रखने से वैवाहिक जीवन में प्रेम बना रहता हैं

अशांति व दुर्भाग्य के वास्तु कारण हो सकते हैं ये

16. ईशान में उपस्थित सीढ़ियां भाग्य हानि का कारण बनती हैं

17. अगर पश्चिम दिशा में पूर्व दिशा की अपेक्षा ज्यादा निर्माण कार्य या भारी निर्माण किया गया हो तो हर कार्य में रुकावट आती हैं, प्रायः सफलता नहीं मिलती

18. घर में जब मुख्य द्वार के सामने या एक सीध में दूसरा द्वार होता हैं तो घर में नकारात्मकता का बाहुल्य हो जाता हैं, नकारात्मकता दूर करने हेतु माँ दुर्गा की तस्वीर मुख्य दरवाजे के बाहर की तरफ लगाये

19. अग्नि कोण में पानी संचय की जगह या पूजा घर की जगह बनाने पर धन, सुख, शांति और भाग्य का नाश होता हैं, अगर गलती से आग्नेय कोण में जल संचय की व्यवस्था बन गई हैं तो नैश्रृत्य कोण में सबसे ऊँचा निर्माण कराने से ये दोष कम हो जाता हैं, अग्नि कोण में सिर्फ रसोई की व्यवस्था होनी चाइये

20. दस की सम संख्या में दरवाजे और खिड़कियाँ अशुभ कहलाती हैं और विषम संख्या में भी शुभ कारी नहीं होती

21. दक्षिण की दिवार पर पितृ की तस्वीर या पंचमुखी बालाजी की तस्वीर के अलावा अन्य देवी देवताओं की तस्वीर अशांति और दुर्भाग्य लाती हैं

ये वास्तु दोष आमंत्रित करते हैं रोगों को

22. पूर्व दिशा में यदि दिवार बाकि दीवारों से ऊंची होती हैं तो घर वालों की सेहत ठीक नहीं रहती हैं क्योंकि शुभकारी पूर्व दिशा की वायु ऊंची दिवार रोक देती हैं

23. नैश्रृत्य में जल संचय का स्तोत्र रखने से गम्भीर रोग होने का अंदेशा रहता हैं

24. यदि घर का बरंडा या गैलरी पश्चिम की ओर स्लोब लिए या ढला होगा तो उस गृह के पुरुषों का स्वास्थय ठीक नहीं रहेगा

25. उत्तर दिशा में सिर रख कर सोने से धरती का उत्तरी ध्रुव और मनुष्य का सिर आपस में विकर्षित होते हैं जिससे अनिद्रा का रोग हो सकता हैं

26. पश्चिम या दक्षिण-पश्चिम यानि नैश्रृत्य कोण में मुख्य द्वार की स्थापना अति रोग कारक और अशुभ मानी जाती हैं, क्योंकि यहाँ से आने वाला प्रकाश और वायु मलिन माना गया हैं, इससे बचें

27. पूजा घर में खंडित मूर्ति लगाने से स्वास्थय संबंधी परेशानियाँ हो सकती हैं, अगर घर में टूटी हुई मूर्तियाँ हो तो नदी में विसर्जित कर देवें

28. ईशान कोण में तुलसी का पौधा रखने से घर की स्त्रियों का स्वास्थय ठीक नहीं रहता

29. पश्चिम दिशा में तहखाना बनाने से अनेक विपदाओं का सामना करना पड़ सकता हैं

30. दक्षिण दिशा में या नैश्रृत्य कोण में मुख्य द्वार होने पर घर की स्त्रियों का सुख एवं स्वास्थय सही नहीं रहता हैं, अतः ईशान में द्वार की व्यवस्था करें

इन वास्तु दोषों से बिगड़ता हैं वैवाहिक जीवन

31. घर के सभी दरवाजे अंदर की तरफ खुलने वाले होने रखे और दरवाजे अटकने नहीं चाइये नहीं तो घर में उपद्रव होता हैं

32. अगर घर के शयन कक्ष में दर्पण होता हैं तो पति पत्नी के सम्बन्धों में मधुरता कम हो जाती हैं

An Infographic From AstrologyFutureEye.Com